मुंगेर में गंगा नदी पर निर्मित रेल-सह-सड़क पुल की पहुँच पथ परियोजना का लोकार्पण

चर्चा में क्यों?

11 फरवरी, 2022 को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बिहार राज्य के मुंगेर में गंगा नदी पर 'रेल-सह-सड़क पुल'की पहुँच पथ परियोजना का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- मुंगेर में राष्ट्रीय राजमार्ग 333बी पर गंगा नदी के ऊपर निर्मित रेल-सह-सड़क पुल के लिये 14.5 किमी लंबी पहुँच सड़क को कुल 696 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया गया है।
- यह 'रेल-सह-सड़क पुल'बिहार में गंगा नदी पर निर्मित तीसरा रेल-सह-सड़क पुल है, जो मुंगेर-जमालपुर शहरों को बेगूसराय, खगड़िया और उत्तर बिहार के विभिन्न ज़िलों से जोड़ेगा।
- 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रेल-सह-सड़क पुल की नींव रखी थी। बिहार के वर्तमान सीएम नीतीश कुमार उस समय वाजपेयी सरकार में रेल मंत्री थे।
- इस पुल की मांग बहुत लंबे समय से की जा रही थी, जिसे निम्न प्रकार देखा जा सकता है-
- 1953 में पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भी मुंगेर के लोगों से वादा किया था कि नदी पर एक पुल का निर्माण किया जाएगा।
- 1971 में इंदिरा गांधी ने एक चुनाव प्रचार के दौरान इसी तरह के आश्वासन दोहराए थे।
- रेल-सह-सड़क पुल को अंततः 1997-98 के रेल बजट में (पूरक अनुदान के माध्यम से) सांकेतिक आवंटन प्राप्त हुआ।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/inauguration-of-access-road-project-of-rail-cum-road-bridge-built-on-river-ganga-in-munger